Test Number: 11
Test Code: 57152

Program: SPS (UPPSC / Mains) - 2022
General Hindi

General Hindi
सामान्य हिंदी

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 150**

निर्धारित समय : तीन घंटे] **[अधिकतम अंक : 150**

नोट :
(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के अंत में अंकित हैं।
(iii) पत्र, प्रार्थना–पत्र या किसी अन्य प्रश्न के उत्तर के साथ अपना अथवा अन्य का नाम, पता एवं अनुक्रमांक न लिखें। आवश्यक होने पर क, ख, ग लिख सकते हैं।

प्रश्न 1 - यदि मनुष्य को धर्म मार्ग पर आना है तो उसे इन्द्रिय-निग्रह करना ही होगा,क्यूंक इन्द्रियों से भिन्न मनुष्य कुछ है ही नही। इन्द्रियाँ खुल कर हरियाली चरती फिरें और मनुष्य का मन धर्म के मार्ग पर आरूढ रहे यह कल्पना ही परस्पर विरोधी है।या तो वह इन्द्रियो की दास्ताँ स्वीकार कर ले और जिधर-जिधर इन्द्रियाँ जाने को कहें उधर-उधर भागता फिरे। अथवा इन्द्रियों को वश में लाकर वह धर्म के पालन में तत्पर हो। इन्द्रियों की उल्लंघनता पशु-धर्म है और जो भी व्यक्ति इन्द्रियों को अनियंत्रित रखने का पक्षपाती है उसे यह भी मानना चाहिए कि मनुष्य पशु से भिन्न नही है । किन्तु जो लोग यह मानते है की मनुष्य पशु से भिन्न प्राणी है,उन्हें इन्द्रिय-निग्रह को माने बिना चारा नही है,क्योंकि इन्द्रियों को नियंत्रण में रखकर ही मनुष्य पशुता से दूर जा सकता है। इन्द्रियों का उद्दाम नृत्य पशुता का प्रमाण है। इन्द्रियों को घाट में बाँधकर चलना ही मनुष्यता है मनुष्य की संस्कृति है।

(क) उपर्युक्त गघ का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। 5
(ख) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर धर्म और इन्द्रियनिग्रह के अन्त: सम्बन्ध की विवेचना कीजिए। 5
(ग) उपर्युक्त गद्यांश के रेखांकित अंशो की व्याख्या कीजिए। 20

प्रश्न 2 - हिन्दी और अंग्रेजी इन दोनों भाषाओं का भारत के हिन्दी प्रदेशों के शिक्षित क्षेत्रो में खूब उपयोग होता है। पढ़े लिखे लोग अधिकांश औपचारिक क्षेत्रों में अंग्रेजी का इस्तेमाल करते है। और अनौपचारिक क्षेत्रों में हिन्दी अंग्रेजी दोनों का। भारत में अनेक संदर्भो में अंग्रेजी का प्रयोग सहज और स्वाभाविक माना जाने लगा है। जो व्यक्ति हिन्दी का प्रयोग बहुलता से करता है उसे या तो देशभक्त या नेता समझा जाता है। भाषा दुवेत की स्थिति में फँसा पढ़ा लिखा हिन्दी भाषी अनौपचारिक सन्दर्भो में हिन्दी-अंग्रेजी और स्थानीय बोलियों का मिला-जुला रूप प्रयोग में लाता है। औपचारिक भाषा में बोलने या लिखने का अवसर आने पर हिन्दी भाषियों की कठिनाई बहुत बढ़ जाती है और अपनी ही भाषा से उनका नाता ढीला पड़ने लगता है। अंग्रेजी समझने या उसमें अभिव्यक्त करने की उनकी गति एवं स्तर उतना प्रभावी नही होता जितना अपनी मातृभाषा में हो सकता है। स्थिति कुछ ऐसी बनती जा रही है कि आज हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में ही भाषियों का स्तर कमा चलाऊ-सा होता जा रहा है। न तो अंग्रेजी के बोलने या लिखने में प्रामणिकता और प्रांजलता है और न ही हिन्दी में।इस प्रकार' इतो नष्ट: ततो भ्रष्ट:' वाली कहावत चरितार्थ होती दिखाई देती है।

(क) ऊपर लिखे गये गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 5
(ख) संक्षेपण एवं भावार्थ में क्या अन्तर है? 5
(ग) उपर्युक्त अवतरण का संक्षेपण लिखिए। 20

प्रश्न 3 - (क) सरकारी एवं अर्ध्द - सरकारी पत्र का अन्तर स्पष्ट करते हुए अर्ध्द - सरकारी पत्र का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। 10
(ख) परिपत्र एव अधिसूचना में अंतर बताते हुए परिपत्र का एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिए। 10

प्रश्न 4 - (क) निम्न शब्दों के उपसर्ग लिखिए: 5

कुपात्र, प्रत्युपकार , सुसंगठित , अभियान , व्यर्थ

(ख) निम्न शब्दों के प्रत्यय लिखिए 5

दार्शनिक, पीड़ित, खँडहर, लुटेरा, गेरुआ

प्रश्न 5 - निम्नाकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए: 10

सावधान, सुलभ, अक्षर, पण्डित, कुसुम, वीर, रथी, खंडन, अभिमानी, मानवता।

प्रश्न 6 - निम्नाकित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए: 10

(i) जिसका उत्तर ने दिया गया हो।

(ii) अपने मत को मानने वाला।

(iii) जो कहा न गया हो।

(iv) परम्परा से सुना हुआ।

(v) जो देखने के योग्य हो।

प्रश्न 7 - निम्न वाक्यों में अशुद्धियाँ ठीक कीजिये: 10

(i) इस पुस्तक में यही विशेषता है।

(ii) उसके प्राण पखेरू चले गये।

(iii) आप ही रचना श्रेष्ठतम है।

(iv) लड्डू और लस्सी पीकर हमने यात्रा की।

(v) वह नगर दृष्टव्य है।

प्रश्न 8 - निमनलिखित मुहावरों /लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए: 30

(1) नौ नगद न तेरह उधार

(2) बालू से तेल निकलना।

(3) कानी के ब्याह में सौ जोखम।

(4) छतीस का अंक होना।

(5) खिसियानी बिल्ली खम्भा नोंचे।

(6) कालिख पोतना।

(7) नौ दो ग्यारहहोना।

(8) अनदेखा चोर शाह बराबर।

(9) करत-करत अभ्यास के जडमति होत सुजान

(10) घोडा घास से यारी करेगा तो खायेगा क्या?